

## बच्चेदानी के बाहर आ गया था प्लेसेंटा सर्जरी कर बचाई मां-बच्चे की जान 53

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर महिला और नवजात की जान बचाई। करीब ढाई घंटे तक चली सर्जरी के बाद महिला और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

प्रसव पीड़ा से परेशान करीब 30 वर्षीय महिला को परिजन स्त्री रोग विभाग में लेकर आए। विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और पेशाब की थैली से चिपक गया था। इस परिस्थिति में सर्जरी करना इसलिए भी जटिल हो जाता है क्योंकि ज्यादा खून बहने से मरीज व नवजान दोनों की जान का खतरा रहता है। सोमवार को रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए यानी डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी लैब में सर्जरी की

### बीएचयू के रेडियोलॉजी विभाग में ढाई घंटे तक चली सर्जरी

गई। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक कैथेटर डाला गया, जिससे कि उसके शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य तरीके से होता रहे। फिर सर्जरी कर बच्चे को सुरक्षित निकाला गया। इसके बाद महिला की बच्चेदानी निकाली गई।

टीम में ये डॉक्टर रहे शामिल : प्रो. संगीता राय के निर्देशन में हुई सर्जरी में यूरोलॉजी से डॉ. उज्ज्वल, रेडियोलॉजी से डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. पीके सिंह, डॉ. ईशान कुमार, एनेस्थीसिया से डॉ. अरुण के साथ ही एमसीएच विंग के रेजिडेंट व नर्सिंग स्टाफ का भी सहयोग रहा। ब्यूरो

## बीएचयू में प्लेसेंटा परक्रेटा का सफल प्रबंधन IV

जासं, वाराणसी : बीएचयू के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के डाक्टरों ने सर्जरी के माध्यम से महिला का प्लेसेंटा परक्रेटा का सफल प्रबंधन किया है, इस दौरान न्यूनतम रक्त हानि हुई। अमूमन इस समस्या के दौरान प्रसव पीड़िता को काफी रक्तसाव होता है। मंगलवार को रेडियोलॉजी विभाग की तरफ से सर्जरी के दौरान नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। प्लेसेंटा परक्रेटा के दौरान मूत्राशय में समस्या थी। यह दुर्लभ और उच्च जोखिम

वाली स्थिति रहती है, जो अक्सर गंभीर जटिलताओं से जुड़ी होती है। मां और बच्चे की सुरक्षा की गई। जटिल प्रक्रिया की शुरुआत द्विपक्षीय सामान्य इलियाक धमनियों के बैलून अवरोधन से हुई, जिसे डा. आशीष वर्मा, डा. ईशान कुमार और डा. पीके सिंह ने अंजाम दिया। प्रभावित क्षेत्र में रक्त के प्रवाह को कम करने के लिए डिजाइन किए गए इस महत्वपूर्ण कदम के बाद डा. संगीता राय की टीम ने सर्जिकल हस्तक्षेप किया।

# बीएचयू के डॉक्टरों ने बचाई महिला व नवजात की जान

13

## नेक कार्य

पीड़ित महिला की बच्चेदानी के बाहर आ गया था प्लेसेंटा, ढाई घंटे चला ऑपरेशन

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के स्त्री रोग विभाग में आई एक गर्भवती का डॉक्टरों की टीम ने मंगलवार को जटिल आपरेशन कर महिला और नवजात की जान बचाई। करीब ढाई घंटे तक चले आपरेशन के बाद महिला और उसका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्रसव पीड़ा से परेशान करीब 30 वर्षीय महिला को परिजन बीएचयू अस्पताल के स्त्री रोग विभाग लेकर आए थे।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संगीता राय के अनुसार, रेडियोलॉजी विभाग में अल्ट्रासाउंड व एमआरआई कराया



गया। जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और पेशाब की थैली से भी चिपक गया था। इस परिस्थिति में आपरेशन करना इसलिए भी जटिल हो जाता है क्योंकि ज्यादा खून बहने तथा मरीज व नवजात दोनों की जान जाने का खतरा ज्यादा रहता है। रेडियोलॉजी विभाग और यूरोलॉजी

विभाग की टीम के साथ बातचीत कर आपरेशन का निर्णय लिया गया। रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए यानी डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी लैब में आपरेशन हुआ। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक बैलून कैथेटर डाला गया, जिससे कि शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य

तरीके से होता रहे। फिर आपरेशन कर बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया गया इसके बाद महिला की बच्चेदानी को पूरा निकाला गया। खास बात यह रही कि इस पूरे आपरेशन के दौरान महिला के शरीर से खून बहुत कम बहे। आमतौर पर इस तरह के जटिल आपरेशन के दौरान शरीर से सबसे ज्यादा खून निकलता है। मरीज की जान को भी ज्यादा खतरा रहता है।

## टीम में ये डॉक्टर रहे शामिल

स्त्री रोग विभाग से प्रो. संगीता राय के निर्देशन में हुए आपरेशन में यूरोलॉजी से डा. उज्ज्वल, रेडियोलॉजी से डा. आशीष वर्मा, डा. पीके सिंह, डा. ईशान कुमार, एनेस्थीसिया से डा. अरुण के साथ ही एमसीएच विंग के रेजिडेंट, नर्सिंग स्टाफ का भी सहयोग रहा।

## जटिल सर्जरी कर जच्चा- बच्चा की बचाई जान

वाराणसी। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के स्त्री रोग विभाग में गर्भवती महिला का जटिल सर्जरी डॉक्टरों ने जच्चा-बच्चा की जान बचाई है। करीब ढाई घंटे तक चली सर्जरी के बाद महिला और उसका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

प्रसव पीड़ा होने पर 30 वर्षीय महिला को लेकर परिजन बीएचयू अस्पताल आए थे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और यूरिन की थैली से चिपक गया था।

इस परिस्थिति में सर्जरी करना जटिल हो जाता है। उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए (डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी) लैब में सर्जरी हुई। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक बैलून कैथेटर डाला गया, जिससे कि शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य तरीके से होता रहे। फिर सर्जरी कर बच्चे को सुरक्षित निकाला गया। इसमें डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. ईशान कुमार और डॉ. पीके सिंह, डॉ. उज्ज्वल का सहयोग रहा।

## जटिल सर्जरी से मां बेटे की बचाई जान

वाराणसी। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के स्त्री रोग विभाग में गर्भवती महिला का जटिल सर्जरी डॉक्टरों ने जच्चा-बच्चा की जान बचाई है। प्रसव पीड़ा होने पर 30 वर्षीय महिला को लेकर परिजन बीएचयू अस्पताल आए थे।

विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और यूरिन की थैली से चिपक गया था। इस परिस्थिति में सर्जरी करना जटिल हो जाता है। उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए लैब में सर्जरी हुई। इसमें डॉ. आशीष, डॉ. ईशान, डॉ. पीके सिंह का सहयोग रहा।



## प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार

जासं, वाराणसी : बीएचयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी का प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा

एंडाउमेंट पुरस्कार 2023-24' के लिए चुना गया है। उन्होंने वायु, जल व मृदा प्रदूषण में शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उनको फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार आदि मिल चुका है। यह पुरस्कार उनको 20 फरवरी को जीबी पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय पंतनगर में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।



## प्रो. मधुलिका को मिलेगा विज्ञान का राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी। बीएचयू में वनस्पति विज्ञान विभाग की पूर्व डीन प्रो. मधुलिका को विज्ञान का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। उन्हें राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी के प्रतिष्ठित प्रो. प्रेम दुरेजा एंडोमेंट



पुरस्कार के लिए चुना गया है। अगले महीने 20 फरवरी को उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में उन्हें ये सम्मान दिया जाएगा। प्रो. मधुलिका ने हवा, पानी और मिट्टी में मिले प्रदूषक तत्वों और जलवायु परिवर्तन से पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों पर गहन रिसर्च किया है। उन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। ब्यूरो

## प्रो. मधूलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी। बीएचयू के वनस्पति विज्ञान की प्रो. मधूलिका अग्रवाल को जेसी बोस नेशनल फेलो एवं पूर्व संकायाध्यक्ष को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी का प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एन्डाउमेन्ट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो. अग्रवाल ने वायु, जल तथा मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान एकेडमी, राष्ट्रीय एकेडमी ऑफ साइंस तथा राष्ट्रीय कृषि एकेडमी की फेलो भी हैं। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु पाठक के पत्रानुसार प्रो. अग्रवाल को यह पुरस्कार 20 फरवरी को जीबी पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।



13

## प्रोफेसर मधूलिका अग्रवाल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान की प्रोफेसर मधूलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी का प्रतिष्ठित प्रोफेसर प्रेम दुरेजा एन्डाउमेन्ट पुरस्कार 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रोफेसर अग्रवाल को यह पुरस्कार उनको 20 फरवरी को जी.बी. पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जायेगा। प्रोफेसर अग्रवाल ने वायु, जल तथा मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उनको फुलब्राइट फेलोशिप, प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रोफेसर पी.शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय अकादमी ऑफ साइंस तथा राष्ट्रीय कृषि अकादमी की फेलो भी हैं।

5

## प्रो. मधूलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी। वनस्पति विज्ञान, बीएचयू की प्रो. मधूलिका अग्रवाल, जेसी बोस नेशनल फेलो



एवं पूर्व संकायाध्यक्ष को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी का प्रतिष्ठित "प्रो. प्रेम दुरेजा एन्डाउमेन्ट पुरस्कार" 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो.

अग्रवाल ने वायु, जल तथा मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उनको फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विवि अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान एकेडमी, राष्ट्रीय एकेडमी ऑफ साइंस तथा राष्ट्रीय कृषि एकेडमी की फेलो भी हैं। प्रो. हिमांशु पाठक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी के पत्रानुसार डॉ. अग्रवाल को यह पुरस्कार उनको 20 फरवरी 25 को जीबी पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।

# बीएचयू की प्रो. मधुलिका को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एंडाउमेंट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो. अग्रवाल ने वायु, जल और मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर अध्ययन किया है।

बीएचयू के विज्ञान संकाय की पूर्व अध्यक्ष प्रो. अग्रवाल जैसी बोस फेलो भी हैं। इसके पूर्व उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की



प्रो. मधुलिका अग्रवाल।

प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय साइंस अकादमी तथा राष्ट्रीय कृषि अकादमी की फेलो भी है। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु पाठक के पत्र के अनुसार डॉ. अग्रवाल को 20 फरवरी को पंतनगर स्थित जेबी पंत कृषि एवं तकनीकी विवि में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

# बीएचयू की प्रो. मधुलिका को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एंडाउमेंट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो. अग्रवाल ने वायु, जल और मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर अध्ययन किया है।

बीएचयू के विज्ञान संकाय की पूर्व अध्यक्ष प्रो. अग्रवाल जैसी बोस फेलो भी हैं। इसके पूर्व उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती



प्रो. मधुलिका अग्रवाल।

पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। 20 फरवरी को पंतनगर स्थित में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान उन्हें सम्मानित किया जाएगा।



# बीएचयू अस्पताल में बढ़ेंगी सुविधाएं, उपचार आसान

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सरकार की पलकों पर सवार बनारस में सेहत इंतजाम इस साल और बेहतर होंगे। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान को एम्स की तरह सुविधाएं देने की कोशिश धरातल पर उतर रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और एम्स नई दिल्ली के मध्य एमओयू हुआ है। 470 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है।

कई आधुनिक उपकरण सर्जरी को आसान बनाएंगे। यहां के डाक्टर उपचार के नए तरीके सीखने के लिए एम्स जाएंगे। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल, ट्रामा सेंटर, आयुर्वेद और दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक मरीजों का उपचार होता है। पूर्वांचल, बिहार, बंगाल और मध्य प्रदेश से आने वाले इन मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देना चुनौतीपूर्ण है। कारण कि यहां पर सुविधाओं का अभाव है। एम्स जैसी सुविधा मिलेगी तो निश्चित रूप से

सीसीआई और जेरियाट्रिक अस्पताल से गंभीर और बुजुर्गों को मिलेगी राहत, लेसिक सर्जरी से नेत्र रोगी हटाएंगे चश्मा



दवाएं व जांच सस्ती हो जाएगी। अस्पताल प्रशासन को इस समय वार्षिक दो लाख रुपये प्रति बेड का बजट मिलता है, यहां पर करीब 2600 बेड उपलब्ध हैं। नए प्रयास से बजट राशि छह गुना अधिक बढ़ जाएगी। डाक्टरों व कर्मचारियों के

## 15 प्रतिशत पूर्ण हुई दो परियोजनाएं

बीएचयू परिसर में 200 बेड का जेरियाट्रिक सेंटर का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है। नवंबर में कार्य पूरा हो जाएगा। सवा सौ करोड़ की इस परियोजना से बुजुर्गों को लाभ मिलेगा। विभागों का लोड कम होगा। इसी तरह ट्रामा सेंटर परिसर में 150 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक बन रहा है। यह कार्य भी अक्टूबर तक पूर्ण हो जाएगा। 30 बेड का बर्न वार्ड भी है, जो झुलसे हुए रोगियों को राहत पहुंचाएगा। दोनों परियोजनाएं 15 प्रतिशत पूर्ण हो चुकी हैं। उपकरण खरीदने का प्रस्ताव भी मंत्रालय को भेजा जा चुका है।

## कई विभागों की दिक्कतें दूर होने की उम्मीद

फॉरेंसिक विभाग में पोस्टमार्टम सुविधा को विस्तार मिलने की भी आस अधूरी रह गई है। स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जरूर अंतिम निर्णय हो सकता है। कार्डियोलॉजी विभाग में बेड बढ़ाने पर भी अंतिम निर्णय हो सकता है। रोबोटिक सर्जरी के जरिए उपचार आसान होगा। उधर भरथुआ व उदयपुर पीएचसी का निर्माण हो चुका है। अगले साल से यहां पर सुविधाएं बेहतर होंगी।

वेतनमान में वृद्धि होगी। नए शोध को बढ़ावा मिलेगा। नए वर्ष में यह कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है।

आईवीएफ सुविधा से निःसंतान दंपति को लाभ, बढ़ेंगे डायलिसिस के बेड: क्षेत्रीय नेत्र संस्थान में इस साल लेसिक सर्जरी की सुविधा शुरू

हो जाएगी। एमसीएच विंग में महिलाओं के लिए डायलिसिस के दो नए बेड की व्यवस्था होगी। यह शहर की बड़ी समस्या है। इसके अलावा आईवीएफ की व्यवस्था शुरू होने निःसंतान दंपति को राहत मिल सकेगी।

# बीएचयू : कॉरपोरेट अनुभव देने के लिए नियुक्त होंगे 50 स्पेशल टीचर

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम में मिलेगा कंपनी रूटीन का व्यावहारिक ज्ञान

माई सिटी रिपोर्टर

**वाराणसी।** नई शिक्षा नीति के तहत कॉरपोरेट प्रोफेशनल्स को बीएचयू में क्लास लेने का मौका मिलेगा। छात्रों को किताबी ज्ञान देने के साथ ही मल्टीनेशनल कंपनी की कार्य प्रणाली समझाई जाएगी। उन्हें कंपनियों का दौरा भी कराया जाएगा। इसके लिए बीएचयू में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम की शुरुआत की जाएगी। इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस फंड के तहत कुल 50 प्रोफेसरों की नियुक्ति होगी। ये सभी इंडस्ट्रीज के कार्यरत या रिटायर्ड उद्यमी, नौकरीपेशा और एकेडमिक से जुड़े विद्वान होंगे।

26 दिसंबर को बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल का बैठक में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम का प्रस्ताव दिया गया। इस पर चर्चा कर अगली बैठक में अनुमति दी जाएगी। इसके बाद प्रोफेसरों की नियुक्तियां शुरू होंगी। इस स्कीम के तहत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्रीज से जोड़कर फील्ड का अनुभव देना है। छात्र-छात्राएं उद्यमियों के साथ काम करेंगे। कोर्स के साथ उन्हें पूरे कंपनी रूटीन का व्यावहारिक ज्ञान मिलेगा।

जूनियर फैकल्टी और छात्रों को गाइडेंस और मेंटरशिप दी जाएगी। इंडस्ट्रीज पार्टनर बनाए जाएंगे। संस्थान और कंपनियां मिलकर रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। किसी इंडस्ट्री में नवाचार और बेहतर



परफॉर्मेंस वाले प्रोजेक्ट को छात्र-छात्राओं के साथ साझा किया जाएगा।

**इंडस्ट्रीज के मानक पर तैयार होंगे एकेडमिक प्रोग्राम :** इंडस्ट्रीज के मानक और कार्यप्रणाली के तौर पर एकेडमिक प्रोग्राम तैयार किए जाएंगे। छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान और प्रतिस्पर्धी वातावरण दिया जाएगा। बीएचयू अलग-अलग कंपनियों के साथ साझेदारी करेगा।

**बीएचयू और इंडस्ट्री देंगे वेतन :** वेतन दो तरह से दिया जाएगा। एक बीएचयू फंडेड और दूसरा इंडस्ट्री स्पॉन्सर्ड होगा। यानी बीएचयू और कंपनियां दोनों मिलकर वेतन का खर्च वहन करेंगे। वहीं, कुछ ऐसे भी प्रोफेसर होंगे, जिन्हें वेतन के बजाय सम्मान, सेवा और ठहरने के लिए गेस्ट हाउस आदि की व्यवस्था कर दी जाएगी।

**वेबसाइट पर मिलेगी जानकारी :** वैकेंसी की जानकारी बीएचयू और इंडस्ट्री की आधिकारिक

वेबसाइट पर जारी की जाएगी। बीएचयू के प्रोफेसर की भी सीवी को नॉमिनेट किया जा सकता है। शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। कुलपति की अनुमति के बाद 50 प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी। ये नियुक्ति एक से तीन साल के लिए की जाएगी।



## राजनारायण ने 80 बार की जेल यात्रा

वाराणसी। बीएचयू के बिड़ला हॉस्टल में स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता लोकबन्धु राजनारायण की पुण्यतिथि पर छात्रों ने श्रद्धांजलि दी। राज नारायण इसी हॉस्टल में रहकर अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी गतिविधियां संचालित करते थे। उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। छात्र नेता अभिषेक सिंह काली ने कहा कि उन्होंने लगभग 80 बार जेल यात्राएं कीं। राज नारायण ने यहीं से भारत छोड़ो आंदोलन की अगुवाई की थी। पूरे यूपी और बिहार को उन्होंने जोड़ा। सेनानी के तौर पर वह तीन साल जेल में भी रहे। उन्हीं के नेतृत्व में अनुसूचित जाति के लोगों को काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रवेश का अधिकार मिला। इस दौरान अभय सिंह मिक्की, शम्मी सिंह और सूबेदार सिंह आदि मौजूद रहे।



